अध्याय

8

उपसंहार

उपसंहार–

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मुस्लिम समुदाय मे जातीय गतिशीलता पर एक समाज शास्त्रीय अध्ययन से सम्बन्धित है। इस्लाम धर्म मे जाति व्यवस्था संस्तरणात्मक व्यवस्था की कोई सैद्वान्तिक अवधारणा नही है। इस्लाम समानता पर आधारित एक ऐसा धर्म है। जिसमे सभी लोग समान है। इसमे ऊंच–नीच या किसी भी प्रकार की सामाजिक असमानता की कोई वैचारिकीय नही है। लेकिन ऐतिहासिक कालक्रम मे मुख्यतया हिन्दू संस्कृति एवं सामाजिक व्यवस्था के सम्पर्क मे आने के बाद मुस्लिम समुदाय ने अनेको प्रथाओ संस्कारो, विश्वासो और मूल्यो को किसी ना किसी रुप मे अपनाया है। जो लम्बे ऐतिहासिक कालक्रम और सम्पर्क का परिणाम है। जाति व्यवस्था भी हिन्दू जाति व्यवस्था के सम्पर्क का ही परिणाम है। यह भी सत्य है कि अनेको हिन्दू जातियो ने मुस्लिम धर्म को अपनाया। यही मुस्लिम धर्म मे जातीय व्यवस्था की वैचारिकीय का समावेश हुआ। यही नही हिन्दू जाति व्यवस्था मे अर्न्तनिहीत सामाजिक संस्तरण के प्रतिमान को भी मुस्लिम समुदाय ने अपना लिया जिसके परिणाम स्वरुप मुस्लिमो मे जातीय आधारभूत सामाजिक असमानता देखने को मिलती है। हिन्दू धर्म मे जातीय कठोरता इतनी सशक्त है कि एक जाति को दूसरी जाति मे परिवर्तन करने या अपनाने की कोई व्यवस्था नही है। हिन्दू जाति व्यवस्था अत्यन्त कठोर है। इसे बदलने पर जाति बहिष्कृत या सामाजिक वहिष्कार या कठोर दण्ड की व्यवस्था है। यही कारण है कि हिन्दू जाति व्यवस्था मे व्यक्ति जाति परिवर्तन नही कर सकता है। यद्यपि आधुनिक प्रौद्योगीकीय मूल्यो शिक्षा व्यवसायिक गतिशीलता और लोकतान्त्रिक आदि व्यवस्था ने इसे कमजोर करना प्रारम्भ कर दिया है। इसमे किंचित नाम भी सन्देह नही है। परन्तु मुस्लिम समुदाय सामाजिक समानता पर आधारित इस्लाम धर्म से संचालित है। इसलिए इसमे अपने सामाजिक संस्तरण मे परिवर्तन पर कोई प्रतिबन्ध नही है। इस्लाम धर्म की यही सामाजिक समानता की अवधारणा ने जातीय गतिशीलता को अभिप्रेरित किया है। ताकि वे सामाजिक प्रस्थिति मे उन्नयन कर सके। वास्तव मे

यह इस्लाम धर्म से पूर्व की अरब संस्कृति मे अर्न्तनिहित प्रथाओ और विश्वासो ने इस्लाम धर्म के प्रादुर्भाव मे सामाजिक समानता की वैचारकीय को महत्वपूर्ण आधार दिया है। यही कारण है कि बदलते आधुनिक परिवेश में मुस्लिम समुदाय मे जातीय गतिशीलता को प्रोत्साहित किया है।

प्रस्तुत शोध मे हमने देखा है कि यह गतिशीलता केवल सामाजिक उन्नयन की ओर नही है। बल्कि यह सामाजिक अवन्यन को भी प्रेरित करता है। इसके लिए मुख्य रुप से अशिक्षा, आर्थिक संसाधनो की विपन्नता अन्य रोजगार के अवसर की अनुपलब्धता आदि प्रमुख कारक रहे है। जबकि आधुनिक सामाजिक परिवेश मे व्यक्ति के आर्थिक प्रस्थिति मे उन्नयन के अवसर शिक्षा के अवसर की उपलब्धता व्यवसायिक गतिशीलता आदि ने लोकतान्त्रिक परिवेश मे सामाजिक प्रस्थिति मे उन्नयन के अवसर प्रदान किया है। जिसका एक सामाजिक परिणाम यह हुआ है कि व्यक्ति ने जातिगत सामाजिक प्रस्थिति मे उन्नयन के लिए अपने से उच्च जातिगत प्रस्थिति को अपनाना चाहता है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध मे इसी के सन्दर्भ मे एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है।

****

उत्तरदाताओ की जातीय गतिशीलता के सामाजिक निर्धारक के सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर हम संक्षेप मे कह सकते है। कि उत्तरदाताओ के जातिगत प्रस्थिति मे निम्नतम जाति के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि क्रमशः निम्न मध्यम उच्च मध्यम तथा उच्च जातीयो मे उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। उच्च मध्यम तथा मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता पायी जाती है।

उत्तरदाताओ की शैक्षिक प्रस्थिति के आधार पर निम्नतम जाति के स्नातक एवं इसके उपर की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। उसके बाद क्रमशः निम्न, मध्यम, उच्च मध्यम तथा उच्च जाति के स्नातक एवं इससे उपर शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि शिक्षित एवं प्राइमरी, जूनियर तथा

हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे अन्य जातियो की अपेक्षा अधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि, रखते है। तथा उच्च मध्यम और मध्यम जाति के शिक्षित एवं प्राइमरी वर्ग जूनियर तथा हाईस्कूल के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता पायी जाती है। परिवार के आकार के आधार पर उच्च मध्यम जाति के 6–11 सदस्यो वाले परिवार मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। उसके बाद मध्यम, उच्च, निम्नतम और निम्न जाति के उत्तरदाताओ मे क्रमशः उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। 12 से उपर सदस्यो वाले परिवारो तथा 0–5 सदस्यो वाले परिवारो मे 6–11 सदस्यो वाले परिवारो की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। तथा उच्च मध्यम और मध्यम जाति के 6–11 और 12 से उपर सदस्यो वाले परिवारो मे निम्न जातीय गतिशीलता भी देखने को मिलती है।

आय के आधार पर मध्यम जाति के मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि सर्वाधिक है। जबकि निम्नतम, मध्यम, उच्च मध्यम और उच्च जातियो मे क्रमशः उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है। निम्न तथा उच्च आय के उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है। उच्च मध्यम तथा मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे निम्न और मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता पायी जाती है।

व्यवसाय के आधार पर निम्नतम जाति के कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। उसके बाद क्रमशः उच्च, निम्न, मध्यम और उच्च मध्यम जाति के कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि देखने को मिलती है। नौकरी करने वाले उत्तरदाताओ मे निम्न जाति के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता देखने को मिलती है। उसके बाद क्रमशः निम्नतम, मध्यम, उच्च मध्यम और उच्च जाति के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता देखने को मिलती है। तथा अन्य व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है। तथा उच्च

मध्यम और मध्यम जाति के परम्परागत और कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

भू– आकार के आधार पर निम्न और निम्नतम जाति के 1–2.50 एकड़ भूमि वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। जबकि अन्य भू आकार तथा अन्य जातियो मे इससे कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। तथा मध्यम और उच्च मध्यम जाति के 0–1 तथा 1–2.50 एकड़ भूमि वाले उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता पायी जाती है।

उत्तरदाताओ की शिक्षा और आयु के आधार पर निम्नतम जाति के स्नातक एवं इससे उच्च शिक्षा प्राप्त युवा उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। जबकि क्रमशः निम्न, उच्च मध्यम, मध्यम तथा उच्च जाति के युवा उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है। तथा अन्य शिक्षा प्राप्त तथा अन्य आयु वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है। तथा उच्च मध्यम और मध्यम जाति के शिक्षित एवं प्राइमरी तथा जूनियर एवं हाईस्कूल के उत्तरदाताओ मे अति प्रौढ़ और वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है। उत्तरदाताओ की शैक्षिक प्रस्थिति और आय के आधार पर निम्नतम जाति के मध्यम आय के स्नातक एवं इससे उच्च शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। उसके बाद मध्यम आय के निम्न जाति के स्नातक एवं इससे उपर शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। जबकि इण्टरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे निम्न जाति के मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे सबसे अधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। अन्य जातियो तथा अन्य शिक्षा प्राप्त और अन्य आय समूहो वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति कम अभिरुचि पायी जाती है। तथा उच्च मध्यम और मध्यम जाति के शिक्षित एवं प्राइमरी जूनियर तथा हाईस्कूल के उत्तरदाताओ मे निम्न तथा मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती

है। उत्तरदाताओ का भू– आकार और आयु के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि 1–2.50 एकड़ भूमि वाले युवा उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के अभिरुचि है जबकि अन्य जातियो मे तथा अन्य भू– आकार वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति कम अभिरुचि पायी जाती है। तथा 0–1 तथा 1–2.50 एकड़ भूमि वाले उच्च मध्यम तथा मध्यम जाति के अति प्रौढ़ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

****

व्यवसायिक गतिशीलता के तालिका के अध्ययन के आधार पर हम संक्षेप मे की सकते है कि नौकरी करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि रखते है।जबकि व्यापार अन्य व्यवसाय तथा कृषि एंव परम्परागत व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि क्रमश; कम पायी जाती है। तथा परम्परागत एंव कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि भी पायी जाती है। व्यवसाय और आय की दृष्टि से देखने पर स्पष्ट होता है कि जिन उत्तरदाताओ की आय उच्च है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। जबकि निम्न और मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। तथा निम्न और मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। इसी प्रकार व्यवसाय और भू–आकार के आधार पर देखने पर भी यह पाया जाता है कि जिन उत्तरदाताओ का भू–आकार अधिक है उनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। और कम भू–आकार वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के साथ–साथ निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति भी अभिरूचि पायी जाती है। आय की दृष्टि से अध्ययन करने पर यह स्पष्ट होता है कि युवा उत्तरदाता उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति सर्वाधिक अभिरूचि रखते है। जबकि प्रौढ, अति प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। अति प्रौढ वर्ग, वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ

मे उच्च जातीय गतिशीलता के साथ–साथ निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है। शैक्षिक आधार पर भी जो उत्तरदाता उच्च शिक्षा अर्थात स्नातक एंव इसके उपर की शिक्षा प्राप्त किये हुए है उनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। जबकि क्रमश; इण्टरमीडिएट जूनियर तथा शिक्षित प्राइमरी वर्ग के उत्तरदाताओ मे कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। तथा शिक्षित एंव प्राइमरी और जूनियर तथा हाईस्कूल के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के साथ–साथ निम्न गतिशीलता भी पायी जाती है।

व्यवसाय, आय और आयु के आधार पर देखने से स्पष्ट होता है कि नौकरी करने वाले उत्तरदाताओ मे जिनकी आय उच्च है और युवा वर्ग के है उनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। जबकि अन्य आयु और आय वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। तथा इसके साथ ही निम्न और मध्यम आय के अति प्रौढ और वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

इसी प्रकार व्यवसाय भू–आकार और आय के आधार पर स्पष्ट होता है कि युवा उत्तरदाताओ मे जिनकी भू–आकार का वृद्वद स्वरूप है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है जबकि कम भू–आकार वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। तथा इसके साथ ही 0–1 था 1–2.50 एकड भूमि वाले अति प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है।

व्यवसाय आयु और शैक्षिक प्रस्थिति के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि युवा उत्तरदताओ मे उच्च शिक्षा प्राप्त किये हुए है उनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। जबकि प्रौढ़ अति प्रौढ़ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। इसके साथ ही शिक्षित एंव प्राइमरी जूनियर तथा हाईस्कूल, और इण्टरमीडिएट के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। तथा शिक्षित एंव प्राइमरी जूनियर तथा हाईस्कूल के अति

प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है।

कहने का तात्पर्य यह है कि व्यापार तथा नौकरी करने वाले उत्तरदाता चाहे शैक्षिक प्रस्थिति हो या आयुगत प्रस्थिति, या आय या भू–आकार आदि के आधार पर भी इनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि परम्परागत कृषि या अन्य व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है।

****

राजनैतिक जागरूकता के सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर हम कह सकते है कि अति जागरूक वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि रखते है। जबकि मध्यम तथा सामान्य जागरूक वाले उत्तरादाताओ मे क्रमश; कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। उत्तरदाताओ की आयु के आधार पर अति जागरूक वर्ग के उत्तरदाताओ मे युवा उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। जबकि प्रौढ़, अति प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। इसी प्रकार मध्यम जागरूक तथा सामान्य जागरूक वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। तथा इनमे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति भी अभिरूचि पायी जाती है।

आय के आधार पर मध्यम आय के अति जागरूक वर्ग के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि निम्न तथा उच्च आय के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है। इसी प्रकार मध्यम जागरुक तथा सामान्य जागरुक वाले उत्तरदाताओ मे अति जागरुक की अपेक्षा उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है।

जातिगत प्रस्थिति के आधार पर उच्च मध्यम जाति के अति जागरुक वर्ग के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातिय गतिशीलता के

प्रति अभिरुचि पायी जाती है। जबकि क्रमशः उच्च जाति, मध्यम जाति, निम्नतम तथा निम्न जाति के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति कम अभिरुचि पायी जाती है जबकि मध्यम जागरुक और सामान्य जागरुक वाले उत्तरदाताओ मे अति जागरुक वर्ग की उत्तरदाताओ की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि पायी जाती है। तथा इनमे उच्च मध्यम और मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

शैक्षिक प्रस्थिति के आधार पर अति जागरुक वर्ग के स्नातक एवं इससे उपर शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि है। जबकि क्रमशः इण्टरमीडिएट, जूनियर तथा हाईस्कूल एवं शिक्षित एवं प्राइमरी वर्ग के उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम पायी जाती है। मध्यम जागरुक और सामान्य जागरुक वर्ग के उत्तरदाताओ मे अति जागरुक वर्ग के उत्तरदाताओ की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि देखने को मिलती है।

व्यवसायिक प्रस्थिति के आधार पर अति जागरूक वर्ग व्यापार करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि रखते है। जबकि नौकरी, अन्य व्यवसाय, कृषि तथा परम्परागत व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि क्रमश; कम पायी जाती है। इसी प्रकार मध्यम जागरूक तथा सामान्य जागरूक वाले उत्तरदाताओ मे अति जागरूक वाले उत्तरदाताओ की अपेक्षा उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति कम अभिरूचि देखेने को मिलती है। तथा साथ ही इनमे परम्परागत या कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

शैक्षिक प्रस्थिति और आयु के आधार पर अति जागरूक वर्ग के इण्टर की शिक्षा प्राप्त युवा उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता उच्च जीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि रखते है। जबकि शिक्षित एंव प्राइमरी जूनियर तथा हाईस्कूल और स्नातक एंव इससे उपर की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। जबकि मध्यम जागरूक जथा सामान्य जागरूक वर्ग के उत्तरदामाओ मे अति जागरूक वाले

उत्तरदाताओ की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है।

भू–आकार और आयुगत प्रस्थिति के आधार पर अति जागरूक वर्ग के 5 से अधिक एकड़ भूमि वाले युवा उत्तरदाताओ मे मध्यम जागरूक तथा सामान्य जागरूक वाले उत्तरदाताओ की अपेक्षा सर्वाधिक उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि 0.1, 1–2.50, 2.50–3.50, 3.50–5 एकड़ भूमि वाले उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। तथा मध्यम और सामान्य जागरूक वाले उत्तरदाताओ मे अति प्रौढ 0–1 तथा 1–2.50 एकड भूमि वाले अति प्रौढ़ तथा वृद्व उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

आय और शैक्षिक प्रस्थिति के आधार पर अति जागरूक वर्ग के मध्यम आय के इण्टरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे मध्यम जाति तथा सामान्य जागरूक वाले उत्तरदाताओ की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। जबकि निम्न आय और मध्यम आय के शिक्षित एंव प्राइमरी जूनियर तथ हाईस्कूल और स्नातक एंव इससे उपर की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे इण्टर की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम पायी जाती है। तथा मध्यम जागरूक और सामान्य जागरूक वाले शिक्षित एंव प्राइमरी तथा जूनियर एंव हाईस्कूल के उत्तरदाताओ मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती हैं।

कहने का तात्पर्य यह है कि अति जागरूक वाले उत्तरदाता चाहे वह व्यवसाय के आधार पर हो या आय या आयुगत प्रस्थिति या भू–आकर के आधार पर उनमें जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। जबकि मध्यम और सामान्य जागरूक वाले उत्तरदाताओ मे अति जागरूक उत्तरदाताओ की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है। तथा इनमें निम्न जातीय गतिशीलता भी पायी जाती है।

****

अभिवृत्यात्मक पृष्ठभूमि के सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर हम संक्षेप मे कह सकते है कि जातिगत प्रस्थिति के आधार पर उच्च जातिगत प्रस्थिति वाले उत्तरदाता सर्वाधिक आधुनिकतावादी है। जबकि मध्यम जाति, उच्च मध्यम जाति, निम्नतम और निम्न जाति के उत्तरदाताओ मे क्रमशः कम आधुनिकतावादी है। जबकि उच्च मध्यम जाति के उत्तरदाता सर्वाधिक समन्वयवादी है। और निम्न जाति के सर्वाधिक उत्तरदाता परम्परावादी है।

आयु के आधार पर युवा उत्तरदाता सर्वाधिक आधुनिकतावादी है जबकि प्रौढ़, अति प्रौढ़ और वृद्व उत्तरदाता कम आधुनिकतावादी है। जबकि सर्वाधिक समन्वयवादी अति प्रौढ़ वर्ग के उत्तरदाता है। और परम्परावादी वृद्व वर्ग के अधिक उत्तरदाता है इसलिए उनमे उच्च जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है।

आय के आधार पर उच्च आय के सर्वाधिक उत्तरदाता आधुनिकतावादी है। जबकि मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक समन्वयवादी है। और निम्न आय के सर्वाधिक उत्तरदाता परम्परावादी है। इसलिए निम्न आय के उत्तरदाताओ मे मध्यम तथा उच्च आय की अपेक्षा कम उच्च जातीय गतिशीलता देखने को मिलती है।

परिवार के आकार के आधार पर 6–11 सदस्यो वाले परिवार मे सर्वाधिक आधुनिकतावादी है जबकि 0–5 तथा 12 से उपर वाले उत्तरदाताओ मे कम आधुनिकतावादी है। 12 से उपर सदस्यो वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक समन्वयवादी है जबकि इसी आकार वाले मे परम्परावादी सर्वाधिक है।

शैक्षिक प्रस्थिति के आधार पर स्नातक एवं इसके उपर की शिक्षा प्राप्त उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक आधुनिकतावादी है। जबकि इण्टर, जूनियर तथा हाईस्कूल तथा शिक्षित एवं प्राइमरी वर्ग के उत्तरदाताओ मे आधुनिकतावादी क्रमशः कम है। सबसे अधिक समन्वयवादी और परम्परावादी शिक्षित एवं प्राइमरी वर्ग के उत्तरदाता है।

भू– आकार के आधार पर 5 से अधिक एकड़ भूमि वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक आधुनिकता प्रवृत्ति के है। जबकि इससे कम भू–

आकार वाले उत्तरदाताओ मे क्रमशः कम आधुनिकतावादी है। जबकि 0–1 एकड़ भूमि वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक परम्परावादी है।

व्यवसायिक प्रस्थिति के आधार पर व्यापार करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक आधुनिकतावादी है जबकि नौकरी, कृषि, अन्य व्यवसाय तथा परम्परागत व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे क्रमशः कम आधुनिकतावादी है। कृषि करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक समन्वयवादी है। जबकि परम्परागत व्यवसाय करने वाले सर्वाधिक परम्परावादी है।

जातिगत प्रस्थिति और आय वर्ग के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि मध्यम जाति के मध्यम आय वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक आधुनिकतावादी है। जबकि उच्च मध्यम, उच्च जाति, निम्न और निम्नतम जाति के उत्तरदाताओ मे क्रमशः मध्यम जाति की अपेक्षा कम आधुनिकतावादी है। तथा निम्न और उच्च आय के उत्तरदाताओ मे भी कम आधुनिकतावादी है। समन्वयवादी उत्तरदाताओ मे उच्च मध्यम जाति के मध्यम आय वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक समन्वयवादी है। जबकि निम्न जाति के निम्न आय वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक परम्परावादी है।

जातिगत प्रस्थिति और आयु वर्ग की दृष्टि से स्पष्ट होता है कि मध्यम जाति के मध्यम आय के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता आधुनिकतावादी है। जबकि उच्च मध्यम, उच्च, निम्न और निम्नतम जाति के उत्तरदाताओ मे क्रमशः कम आधुनिकतावादी है। समन्वयवादी उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उच्च मध्यम जाति के युवा उत्तरदाता है जबकि परम्परावादी उत्तरदाताओ मे निम्नतम जाति के युवा उत्तरदाता है।

जतिगत प्रस्थिति और व्यवसाय के आधार पर उच्च जाति के नौकरी करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक आधुनिकतावादी है। जबकि अन्य जातिगत प्रस्थिति के उत्तरदाता और अन्य व्यवसायिक प्रस्थिति के उत्तरदाताओ मे कम आधुनिकतावादी है। समन्वयवादी विचारधाराओ मे अन्य व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक समन्वयवादी है। जबकि परम्परावादी विचारधाराओ मे निम्न जाति के परम्परागत व्यवसाय करने वाले सर्वाधिक उत्तरदाता है।

****

सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर हम कह सकते है कि मुस्लिम समुदाय धार्मिक दृष्टि से आज भी जाति विहिन समाज है तथा इनमे जाति पांति सम्बन्धि भेदभाव का उल्लेख नही है। इसमे सभी मानव को समान माना गया है। जैसा की कुरान मे लिखा है कि इस्लाम धर्म को मानने वाले सभी समान है। एवं एक दूसरे का भाई है। लेकिन मुस्लिम समुदाय मे भी वर्तमान समय मे जाति पाति सम्बन्धी भेदभाव प्रवेश कर गयी है। इसका प्रमुख कारण हिन्दू– मुस्लिम संस्कृतियो के सम्पर्क का है। जैसा ताराचन्द ने कहा है कि हिन्दू– मुस्लिम संस्कृतिया एक दूसरे से प्रभावित हुई। मुस्लिम समाज जब भारतीय सामाजिक व्यवस्था के सम्पर्क में आया तो भारतीय सामाजिक व्यवस्था मे पुरा समाज ब्राम्हण, क्षत्रीय, वैश्य और शुद्र नामक चार वर्णो मे विभाजित था। उसी प्रकार मुस्लिम समाज भी उनसे थोड़ा भिन्न सैयद, शेख, मुगल और पठान के रुप मे विभाजित हो गये। ये सभी जातिया बाहर से आयी थी इसलिए अपने आप को श्रेष्ठ मानती है जैसा की हिन्दू सामाजिक व्यवस्था मे है। जब आर्य भारत मे आये तो यहां के निवासियो को पराजित करके अपने आप को उच्च समझे जाने लगे और यहां के निवासियो को निम्न (हीन) समझने लगे। मुसलमानो मे भी जो यहां के मूल निवासी है वह हिन्दू से धर्मान्तरण करके मुस्लिम धर्म को स्वीकार कर लिए। इसलिए विदेशी मुस्लिम जातिया जो सैयद, शेख, युगल, पठान है। वह इनको अपने से निम्न समझने लगी। और जाति–पांति सम्बन्धी भेदभाव करने लगी है। वर्तमान समय समय मे मुस्लिम समाज विभिन्न जातियो और उप जातियो मे बट गया है। और इनमे सामाजिक तौर से भेदभाव होने लगा है। किन्तु जहां इस्लाम अपने आप मे भातृत्व की भावना पर अधिष्ठित है। वह एक झुठा सिद्व हो रहा है। अर्थात इसका तात्पर्य यह नही है कि इस्लाम को मानने वाले सच्चे धार्मिक है। यह भी हो सकता है वे इस्लाम धर्म मे कही गयी बातों से अनभिज्ञ हो। अपने अध्ययन मे हमने पाया कि अधिकांश मुसलमानो मे प्रचलित विचारो और अपने समुदाय के विचारो का ही अनुसरण करते है।

वर्तमान समय मे मुस्लिम जातियो मे भेदभाव उत्पन्न हो गया है। मुसलमानो मे विभिन्न जातियो मे एक संस्तरण पाया जाता है। और

यही नही उनमे उच्च नींच की भावना भी पायी जाती है। इस संस्तरण मे विभिन्न जातिया उच्चता और निम्नता की श्रेणियो मे विभक्त है और वह अपने से एक दूसरे जातियो को निम्न समझते है। हालांकि मुस्लिम समाज मे हिन्दू समाज जैसी जातीय कठोरता नही है। क्योकि मैने अपने अध्ययन क्षेत्र मे देखा कि मुस्लिम समाज आज भी गतिशील है। और अवसर की उपलब्धता होने पर वह गतिशील होने लगता है। इसमे गतिशीलता सम्बन्धी कोई कठोरता नही है। जैसा की अध्ययन करने के पश्चात यह पाया गया की जिन उत्तरदाताओ को गतिशीलता सम्बन्धी अवसर की उपलब्धता हुई वह अपने से उच्च या निम्न मे गतिशील हुआ है। जिनके लिए सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, व्यवसाय, आयु, आय आदि कारण उत्तरदायी है।

जैसा की सामाजिक दृष्टि से देखा जाय तो जिन व्यक्तियो की सामाजिक प्रस्थिति उच्च है उनमे जातिगत प्रस्थिति भी उच्च है। और जिन व्यक्तियो की सामाजिक प्रस्थिति निम्न है उनकी जातिगत प्रस्थिति भी निम्न है। इस्लाम मे हिन्दूओ जैसी जाति सम्बन्धी कठोरता नही है। जब इनके सामाजिक प्रस्थिति मे उन्नयन होता है जो वह उच्च जाति सूचक शब्द जोड़ लेते है। और जब इनकी सामाजिक प्रस्थिति मे अवन्यन होता है तो वह निम्न जाति सूचक शब्द का प्रयोग करने लगते है। जो अन्य यमूदायो मे बहुत कम ही देखने को मिलती है।

व्यवसाय के आधार पर देखने से स्पष्ट होता है कि जिन जातियो के उच्च परम्परागत व्यवसाय है उनको उच्च माना गया है। जिनका निम्न परमपरागत व्यवसाय है उन्हे निम्न माना गया है। ऐसा भी देखा गया है कि जिन जातियो का जातिगत व्यवसाय नही है उन्हे उच्च माना गया है। इनमे यह भी यह देखा गया है कि व्यक्ति अपने परम्परागत व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय करने लगते है और उनकी आर्थिक प्रस्थिति मे उन्नयन हुआ हो तो वह अपने से उच्च जाति सूचक शब्द का प्रयोग करने लगते है। लेकिन यह भी देखा गया है कि व्यक्तियो को व्यवसाय के अवसर नही उपलब्ध हो पाये है वह अपने जाति के जातिगत व्यवसाय को छोड़कर अपने जातिगत व्यवसाय से निम्न जातिगत व्यवसाय को अपना लिये है। जिससे उनकी जातिगत प्रस्थिति

निम्न समझी जाती है। और वह धीरे–धीरे उसी जाति मे सम्मिलित हो जाते है। अर्थात मेरे कहने का तात्पर्य यह है जिन उत्तरदाताओ को उच्च जातीय गतिशीलता के अवसर उपलब्ध हो जाते है तो वह अपने से उच्च जाति मे प्रवेश कर जाते है। और उनकी सामाजिक प्रस्थिति भी उच्च समझी जाने लगती है। और जिन व्यक्तियो की उच्च गतिशीलता सम्बन्धी अवसर नही मिलते है वह अपने से निम्न जाति मे भी गतिशील हुए है। इस प्रकार गतिशीलता मे व्यवसाय का प्रमुख स्थान है क्योकि यह देखा गया है कि जो उत्तरदाता अपने जातिगत व्यवसाय को छोड़कर उधोगो फैक्ट्रियो मे कार्य कर रहे है उनकी आर्थिक प्रस्थिति मे सुधार हुआ है। और वह इसके साथ ही उच्च जाति सूचक शब्द का प्रयोग कर रहे है। जिसके कारण उनकी सामाजिक प्रस्थिति भी उच्च समझी जाने लगी है। यह गतिशीलता मध्यम जातियो मे सर्वाधिक है। अध्ययन मे देखा गया हे कि जिन उत्तरदाताओ के व्यवसाय अपने जातिगत व्यवसाय से अलग है। उनमे उच्च जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि मध्यम जाति मे ही यह देखा गया हे कि जिन उत्तरदाताओ को उच्च व्यवसाय तथा रोजगार के नवीन अवसर नही उपलब्ध हो पाया है वह अपने जाति को छोड़कर अपने से निम्न जाति मे गतिशील होने के लिये मजबूर हुए है। वह पारिवारिक जीवन को चलाने के लिये निम्न जाति के व्यवसाय को अपने लिये हुए हैं जैसा कि इसका उल्लेख पहले किया जा चुका है। इसके साथ ही क्रमश; निम्न तथा निम्नतम जातियो मे उच्च जातीय गतिशीलता अधिक पायी जाती है। निम्नतम तथ निम्न जाति के उत्तरदाताओ की गतिशीलता का कारण उनकी आर्थिक तथा व्यवसायिक प्रस्थिति उच्च हुई है। जिसके कारण वह उच्च जातिगत प्रस्थिति प्राप्त करने लगे है। अर्थात वह धीरे–धीरे उच्च जाति सुचक शब्द का प्रयोग करने लगे है।

व्यवसायिक आधार पर देखा गया है कि जिन उत्तरदाताओ के व्यवसायिक प्रस्थिति उच्च हे उनकी जातिगत प्रस्थिति भी उच्च है। उच्च जातियो मे व्यवसायिक गतिशीलता की मात्रा बहुत कम है। तथा उच्च मध्यम जातियो मे मध्यम जाति की अपेक्षा व्यवसायिक गतिशीलता की गति धीमी है। जैसा की अध्ययन मे पाया गया है कि जिन उत्तरदाताओ का जातिगत व्यवसाय

है और अपने जातिगत व्यवसाय को ही कर है उनमे गतिशीलता की गति बहुत धीमी है। तथा जिन उत्तरदाताओ का व्यवसाय कृषि है उनमे जातीय गतिशीलता की मात्रा अधिक है। ठीक इसी प्रकार क्रमश; नौकरी तथा व्यापार करने वाले उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि अधिक है। जबकि अन्य व्यवसाय करने वाले उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि नौकरी तथा व्यापार करने वाले उत्तरदातओ से कम है।

इससे स्पष्ट होता है कि जो उत्तरदाता अपने जातिगत व्यवसाय हटकर या सरकारी या गैर सरकारी नौकरी या व्यापार करने लगे है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि अधिक है।

यदि आयु के आधार पर देखे तो यह निष्कर्ष निकलता है कि युवा उत्तरदाता जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि अधिक रखते है जबकि प्रौढ अति प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि क्रमश; धीमी है। इसी प्रकार अध्ययन मे यह पाया गया है कि सबसे अधिक मध्यम, निम्न और निम्नतम जाति के युवा उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता पायी जाती है। जबकि उच्च तथा उच्च मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि मध्यम तथा निम्न और निम्नतम जाति की अपेक्षा कम है। इसी प्रकार अति प्रौढ तथा वृद्व वर्ग के उत्तराताओ मे उच्च मध्यम तथा मध्यम जाति के उत्तरदाताओं मे निम्न जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि पायी जाती है।

आय के आधार पर देखा जाय तो यह पता चलता है कि आय व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन को प्रभावित किया है। जैसा कि अध्ययन मे यह पाया गया है कि जिन व्यक्तियो की आय सर्वाधिक है। उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि सर्वाधिक है। तथा जिन उत्तरदाताओ की आय निम्न है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरूचि कम है। आय के आधार पर भी यह ज्ञात होता है कि मध्यम तथा निम्न और निम्नतम जातियो मे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि सर्वाधिक है जबकि उच्च जाति के तथा उच्च मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे मध्यम जाति के उत्तरदाताओ की अपेक्षा गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है। कहने का तात्पर्य

यह है मध्यम तथा निम्न और निम्न जाति के जिन उत्तरदाताओ की आर्थिक प्रस्थिति उच्च हो गयी है वह उच्च जातीय गतिशीलता मे जाने के लिए उत्सुक है साथ ही मध्यम जाति के जिन उत्तरदाताओ की आर्थिक प्रस्थिति मे गिरावट आयी है वह अपने जाति से निम्न जाति मे जाने के लिए बाध्य हुए है। उसी प्रकार उच्च मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे भी जिनमे उत्तरदाता की आर्थिक प्रस्थिति निम्न हो गयी है वह अपने जाति को छोड़कर निम्न जाति के व्यवसाय को अपना लिए है और वह उसी जाति का सदस्य बन गये है।

इस प्रकार कहने का तात्पर्य यह है आय का व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व है। क्योकि आय के द्वारा ही वर्तमान समय मे व्यक्ति के जाति और सामाजिक प्रस्थिति का निर्धारण किया जाने लगा है। जैसा की यह देखा गया है कि जिन उत्तरदाताओ का आर्थिक प्रस्थिति उच्च है उनकी सामाजिक प्रस्थिति भी उच्च है और वह यदि निम्न जाति के है तो वह अपने से उच्च जातिगत प्रस्थिति प्राप्त करने लिए उत्सुक है। राजनैतिक सहभागीता या जागरुकता के आधार अध्ययन करने पर ज्ञात होता है कि जिन उत्तरदाताओ मे अत्यधिक जागरुकता है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अत्यधिक अभिरुचि है। और जिन उत्तरदाताओ मे राजनैतिक जागरुकता अपेक्षाकृत कम है उनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है। लेकिन ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि उच्च जाति के उत्तरदाताओ मे सर्वाधिक उत्तरदाता अति जागरुक है फिर भी इनमे जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि कम है जबकि मध्यम, निम्न तथा निम्नतम जातियो मे अति जागरुक वाले उत्तरदाताओ का प्रतिशत कम है। फिर इनमे सर्वाधिक उत्तरदाता जातीय गतिशीलता के प्रति अभिरुचि रखते है। तथा उच्च मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे राजनैतिक जागरुकता की मात्रा उच्च जाति की अपेक्षा कम है तथा मध्यम जाति से अधिक है लेकिन गतिशीलता की मात्राा मध्यम जाति से कम है। तथा उच्च मध्यम तथा मध्यम जाति के उत्तरदाताओ मे जो सामान्य जागरुक वाले उत्तरदाता है उनमे अपने जाति से निम्न जातीय गतिशीलता की ओर उन्मुख हुए है। जिसके लिए सामाजिक आर्थिक और रोजगार के नये अवसर की अनुपलब्धता को उत्तरदायी माना जा सकता है। पहले ही यह बता दिया गया

है। कि जिन उत्तरदाताओ को शिक्षा और रोजगार के नये अवसर नही उपलब्ध हो पाये है उनमे अपने से निम्न जातिगत प्रस्थिति के लिए मजबूर होना पड़ा है। ये नही है कि ये उत्तरदाता अपने से निम्न जातिगत प्रस्थिति मे जाने के प्रति अभिरुचि रखते है। क्योकि इनके सामने कुछ ऐसी आर्थिक विपत्तिया सामने आ जाती है। जिसके कारण यह परिवार का भरण पोषण करने के लिए उन्हे निम्न जातिगत व्यवसाय का अपना पडता है और वह धीरे धीरे उसी जाति का सदस्य बन जाते है।